

श्री श्रीपाद यशो नाईक: माननीय उपसभापति जी, यह प्रश्न फार्मसीज़ के संबंध में है। हमारे पास मेडिसिस प्रोड्यूस करने की कम से कम 37 यूनिट्स हैं। एक तो सेंट्रल गवर्नमेंट की यूनिट है, बाकी सब राज्यों की यूनिट्स को मिलाकर कुल 37 यूनिट्स हैं, जो आयुर्वेदिक मेडिसिंस का बहुत अच्छा प्रोडक्शन करती हैं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Next Question.

शवपरीक्षा को नई तकनीक

*152. **श्री रेवती रमन सिंह:** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने को कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) मिलकर एक ऐसी तकनीक पर कार्य कर रहे हैं, जिससे शव का चीर-फाड़ किये बिना हो शव परीक्षा हो सकेगी; और

(ख) यदि हां, तो इस तकनीक को कब तक कार्यान्वित कर दिया जाएगा?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (डा. हर्षवर्धन): (क) और (ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) और (ख) जी, हां। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) मिलकर एक ऐसी तकनीक पर कार्य कर रहे हैं, जिससे शव को चीर-फाड़ किये बिना हो शव परीक्षा हो सकेगी। इस तकनीक के अगले छः माह में कार्यात्मक होने को संभावना है।

New technique for postmortem of body

†*152. SHRI REWATI RAMAN SINGH: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) and Indian Council of Medical Research (ICMR) are working together on a technique that would allow postmortem without incising the body; and

(b) if so, by when this technique would be implemented?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. HARSH VARDHAN): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

†Original notice of the question was received in Hindi.

Statement

(a) and (b) Yes. The All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), New Delhi and Indian Council of Medical Research (ICMR) are working together on a technique for postmortem without incising/dissecting the body. This technique is likely to become functional in the next six months.

श्री रेवती रमन सिंह: माननीय उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि क्या नई तकनीक से virtual autopsy करने के पश्चात्, मृत व्यक्ति के रिकॉर्ड digital format में उपलब्ध होंगे? क्या virtual autopsy पर AIIMS और ICMR में कोई रिसर्च हुआ है?

डा. हर्ष वर्धन: सर, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूँ कि इस विषय पर बहुत समय से विचार चल रहा था। ICMR और AIIMS ने मिल कर, दुनिया में जहां-जहां भी यह विषय आगे बढ़ा है, इसके ऊपर अध्ययन और रिसर्च करने के बाद ही इस प्रोजेक्ट को बनाया है। इसके पीछे कारण यह भी है कि जो लोग मृत्यु का शिकार हो चुके होते हैं, तो autopsy के समय जो incision होता है, surgery होती है और बाद में बॉडी को स्टिच कर दिया जाता है, उससे 90 प्रतिशत केसिज़ में, अधिकांशतः मृतक के परिवार जनों को बहुत तकलीफ होती है। इसलिए एक तो humanitarian approach को strengthen करने की दृष्टि से और दूसरा, dead-body का dignified management करने की दृष्टि से भी यह पद्धति अपनाई गई है। भारत में virtual autopsy की जो प्रक्रिया है, पूरे SAARC देशों में, यह पहली बार भारत में ही शुरू हो रही है। यद्यपि दुनिया के कुछ देशों में ऑलरेडी यह प्रारम्भ हो चुकी है।

माननीय सदस्य ने अपने प्रश्न में यह पूछा है कि क्या इसके रिकॉर्ड्स को रखा जाएगा? निश्चित रूप से इसके जो रिकॉर्ड्स हैं, उनको digitalize करके रखा जाएगा। ये रिकॉर्ड्स हमें डेटा के रूप में भी सहायता करेंगे। कई बार हमारे पास complaints आती हैं कि इसको रिव्यू करिए, उस समय हमारे पास dead-body नहीं होती है, क्योंकि उसका तो cremation हो चुका होता है। उस समय डिजिटल रिकॉर्ड्स के आधार पर कोई भी expert body उसका review भी कर सकती है।

श्री रेवती रमन सिंह: मान्यवर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि वर्तमान समय में एम्स हर साल कितनी autopsies करता है? क्या इस नयी तकनीक से मृत शरीर के आंतरिक अंगों, टिश्यूज और हड्डियों को बिना छुए autopsy करने में लगने वाले समय की बचत हो पायेगी? इसके साथ ही मान्यवर, मैं आपके माध्यम से..

श्री उपसभापति: मान्यवर, आपका दूसरा सप्लीमेंटरी क्वेश्चन हो गया। प्लीज़ माननीय मंत्री जी, आप briefly उत्तर दें।

डा. हर्ष वर्धन: सर, autopsies का जो exact number पूछा गया है, वह इस समय मेरे पास नहीं है, लेकिन यह निश्चित रूप से time-effective भी है और cost-effective भी है। एक autopsy करने में जो लगभग ढाई घंटे का समय लगता है, अब शायद आधा घंटे के समय में ही वह चीज़ हो जायेगी। आपने शरीर के सभी अंगों की बात की है, टिश्यूज़ इत्यादि की बात की है। वह सब, जो computerized axial tomography है, उसके माध्यम से हर तरह का-- और इसके साथ-साथ FNAC के माध्यम से भी, जो fine needle aspiration cytology होती है, उसके माध्यम से भी टिश्यूज़ की biopsy इत्यादि ब्लड वगैरह लेकर, बाकी सारी चीज़ें इसके माध्यम से भी हो पायेंगी। All India Institute of Medical Sciences में अभी करीब 3,000 autopsies हर वर्ष होती हैं।

DR. AMEE YAJNIK: Sir, I would like to ask the hon. Minister whether any study or any attempt has been made to assess the time taken in cases where autopsy is conducted and post-mortem reports are given, especially in unnatural deaths and accidental deaths where these incidents become medico-legal cases, where the family is aggrieved and grief-stricken, and the delay causes a negative impact on the investigation.

DR. HARSH VARDHAN: Sir, I think, this process will facilitate and will further ensure that all these delays that are caused due to all unnatural reasons, etc., will all be taken care of. And, our experts have been to Zurich, in Switzerland. There they studied the experiences of other countries. Just for the information of this House, I may tell that Switzerland, the United Kingdom, Germany, Canada, Australia, Japan, Hong Kong, Norway, Sweden, South Africa, Israel, and all the Middle-East countries have already started doing virtual autopsies. So, there is enough of data about the whole subject in the world. And, India is the first country that is going to start it in the South-East Asia Region.

SHRI K.T.S. TULSI: Mr. Deputy Chairman, Sir, I would like to congratulate the All India Institute of Medical Sciences for doing this path-breaking research. As a result of this, virtual autopsy has been made possible, where internal organs, tissues, and bones can be examined without incision of the body. I would like to know from the hon. Minister as to how many CAT scan machines are required in the country. And, how much amount has been transferred to the ICMR for acquiring these CAT machines?

DR. HARSH VARDHAN: Sir, right now, the ICMR has provided a fund of rupees

five crores to the All India Institute of Medical Sciences. The process is in the advanced stages for getting a CT machine in the All India Institute of Medical Sciences. Initially, it is going to be started only in the All India Institute of Medical Sciences. But, after that, training will be provided by the All India Institute of Medical Sciences to any institution in the country, which will take pro-active steps to introduce the system. The Government will also try to facilitate the same facility at other centres in the country.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Q. No. 153

Losses incurred by Power DISCOMS

*153. SHRI B. K. HARIPRASAD: Will the Minister of POWER be pleased to state whether the Power DISCOMs are running under huge losses, if so, the details of losses and separate consolidated loss details of other distribution and power generation companies?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI RAJ KUMAR SINGH): A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

According to estimates based on available audited/certified annual reports of utilities till the year 2017-18, the Profit/(losses) of Distribution and State owned Generation Utilities are given in the Annexure-I and II respectively.

Annexure-I

Profit/(loss) after tax for State-wise distribution utilities for 2017-18

Operation	State	Utility	2017-18 (₹ in crore)
1	2	3	4
DISCOMS	Andhra Pradesh	APEPDCL	3
		APSPDCL	(4)
	Andhra Pradesh Total		(2)
	Assam	APDCL	164
	Assam Total		164